भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 807

जिसका उत्तर दिनांक 27.07.2023 को दिया जाना है

दबावयुक्त परमाणु रिएक्टरों के निर्माण के लिए समझौता

807 श्री वि. विजयसाई रेड्डी :

क्या **प्रधानमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत ने छह नए यूरोपीय दबावयुक्त परमाणु ऊर्जा रिएक्टरों के निर्माण के लिए फ़्रांस की एक कंपनी के साथ समझौता किया है;

(ख) यदि हां, तो इसके पूरा होने की समय-सीमा और अब तक हुई प्रगति सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार की इसी तरह के परमाणु ऊर्जा रिएक्टर बनाने के लिए अन्य विदेशी कंपनियों के साथ समझौते करने की मंशा है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ङ) क्या सरकार पुराने ताप विद्युत संयंत्रों और बंद हो चुके कोयला संयंत्रों के स्थान पर छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) बनाने पर विचार कर रही है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह) :

(क) जी, हां।

(ख) भारत और फ्रांस के बीच नाभिकीय ऊर्जा में सहयोग पर वर्ष 2008 में हस्ताक्षरित अंतर-सरकारी समझौते (आईजीए) के अनुरूप, महाराष्ट्र के जैतापुर में प्रत्येक 1650 मेगावाट के छह नाभिकीय विद्युत रिएक्टर स्थापित करने के लिए वर्ष 2018 में मेसर्स ईडीएफ, फ्रांस के साथ एक औद्योगिक वायदा समझौते (आईडब्ल्यूएफए) पर हस्ताक्षर

किया गया। वर्तमान में, एक व्यवहार्य परियोजना प्रस्ताव पर पहुंचने के लिए मेसर्स ईडीएफ, फ्रांस द्वारा प्रस्तुत तकनीकी-वाणिज्यिक प्रस्ताव (टीसीओ) पर विस्तृत चर्चा चल रही है। परियोजना कार्यक्रम का विवरण, परियोजना प्रस्ताव को अंतिम रूप दिए जाने और सरकार द्वारा इसकी मंजूरी मिलने पर ही प्रस्तुत किया जा सकेगा।

(ग) तथा (घ) जी, हां। इसी प्रकार के नाभिकीय विद्युत संयंत्र स्थापित करने के लिए अमेरिका आधारित कंपनी से चर्चा प्रगति पर है।

(ङ) तथा (च) नाभिकीय ऊर्जा का उपयोग करने की कार्यनीति पर विश्व भर में जोर दिया जा रहा है जिससे आगामी वर्षों में जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम हो सके। नाभिकीय ऊर्जा को बिजली उत्पादन के लिए सर्वाधिक विश्वसनीय स्वच्छ ऊर्जा का एक विकल्प माना जाता है। देश भर में विशेषकर ऐसे स्थानों में जहां पर बड़े नाभिकीय संयंत्रों को स्थापित करना उपयुक्त न हो, छोटे माड्यूलर रिएक्टरों (एसएमआर) के परिनियोजन से, बड़ी मात्रा में निम्न-कार्बन बिजली का उत्पादन किया जा सकता है। जीवाश्म ईंधन की खपत को हटाने के लिए, पुराने जीवाश्म ईंधन आधारित विद्युत संयंत्रों को विभिन्न प्रयोगों के लिए एसएमआर संस्थापित कर प्रचालित किए जा सकते हैं।

हालांकि, अभी तक इस मामले में कोई नीतिगत निर्णय नहीं हुआ है।

* * * * *